हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

11 अनाज मंडी में 1.40 लाख क्विंटल बाजरा खरीदा

12 भैया दूज पर बसें फुल, बहनों ने मांगी भाई की लंबी उम्र

खबर संक्षेप

लाइनपार में कल होगा श्याम भजनामृत महोत्सव

बहादुरगढ़। श्री श्याम प्रेमी परिवार बहादुरगढ़ द्वारा प्रथम श्री श्याम भजनामृत महोत्सव का आयोजन शनिवार को किया जाएगा। लाइनपार स्थित पंडित लखमीचंद मेमोरियल धर्मशाला में सायं 7 बजे से प्रभु इच्छा तक महोत्सव आयोजित होगा। इसमें बिट्टू सिंह राजपूत, लक्ष्य सैन, धर्मेश दर्शन, कुमार देवेंद्र व दामिनी पांचाल श्याम बाबा का गुणगान करेंगे। मंच संचालन डिम्पी राम करेंगे। ईत्र वर्षा, अखंड ज्योति, भव्य दरबार, आलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग, खीर-चूरमा प्रसाद आदि मुख्य आकर्षण होंगे।

उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक आज

झज्जर। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रवर्तन परिमंडल कार्यालय शुक्रवार को उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक शहर, सब अर्बन सब डिवीजन झज्जर, बादली व माछरौली सब डिवीजन क्षेत्र के उपभोक्ताओं की विभिन्न बिजली एवं बिजली के बिल संबंधी समस्याएं सुनी जाएंगी। जिसकी अध्यक्षता फोरम के चेयरमैन कार्यकारी अभियंता करेंगे तथा मौके पर उनका निवारण किया जाएगा। यदि किसी उपभोक्ता को कार्यकारी अभियंता, उपमंडल अभियंता के फैसले से संतुष्ट न होने पर अपनी शिकायत को चेयरमैन बिजली उपभोक्ता फोरम के समक्ष रख सकते हैं।

साइबर फ्रॉड का शिकार होते ही डायल करें 1930

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि दिन प्रतिदिन उपभोक्ताओं में ऑनलाइन शॉपिंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते बंपर डिस्काउंट, लॉटरी या इनाम के नाम पर लोगों से ठगी की संभावना बनी रहती है, यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन ठगी या साइबर फ्रॉड का शिकार हो जाता है, तो वह तुरंत गृह मंत्रालय की हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराए। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, अंजान कॉल या संदेशों में आए ऑफर पर भरोसा न करें और अपनी बैंक डिटेल, ओटीपी या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि ऑनलाइन शॉपिंग के लिए हमेशा सुरक्षित और अधिकृत वेबसाइट या ऐप का ही प्रयोग करें।

सेक्टर-16 में कर्मचारी ने फांसी लगाई

बहादुरगढ़। बीती रात एचएसआईआईडीसी के सेक्टर-16 स्थित एक कंपनी में एक प्रवासी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। करीब 54 वर्षीय धनंजय चक्रवर्ती मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। उसने अज्ञात कारण के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

धूल, धुआं व धुंध की वजह से छाया स्मॉग, आंखों में जलन व सांसों की तकलीफ बढ़ी

बहादुरगढ़ में फिर जहरीली हुई फिजा, एक्यूआई 322 पहुंचा

दीपावली के बाद दो दिन हवा चलने से मिली थी राहत, फिर बिगड़े हालात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

दिल्ली से लेकर हरियाणा के कई शहरों में वीरवार को धुएं, धुंध और धूल की वजह से वायु गुणवत्ता फिर से खराब हो गई। सीपीसीबी के अनुसार वीरवार सायं 4 बजे बहादुरगढ़ का वायु गुणवत्ता सूचकांक 322 रिकॉर्ड किया गया। जहरीली फिजा के चलते दिनभर आंखों में जलन महसूस होती रही और सांस लेने में भी तकलीफ हुई।

बता दें कि बहादुरगढ़ में 16 अक्टूबर को 200, 17 को 213, 18 को 224, 19 को 294, 20 को 306, 21 को 368 और 22 अक्टूबर को 269 एक्यूआई रिकॉर्ड हुआ था। चूंकि दीपावली पर पटाखों के धुएं ने हालात विकट बना दिए थे। लेकिन दो दिन हवा चलने से प्रदूषण में कमी आई थी। लेकिन फिर से खराब हालात बन गए। वीरवार 4 बजे सीपीसीबी के अनुसार बहादुरगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 322 रहा।

विशेषज्ञों के अनुसार उद्योग धंधों और गाड़ियों से निकलने वाला धुआं, सड़कों पर उड़ने वाली धूल ऊपर उठने का प्रयास करती है। प्रदूषित गर्म हवा तापमान घटने के कारण बनी ठंडी परतों के बीच अटक जाती है। इसी खास स्मॉक और फॉग मिलने के कारण 'स्मॉग' बनता है। इसीलिए सर्दियों की शुरुआत में सबसे ज्यादा स्मॉग की समस्या बढ़ती है।

यह रही एक्यूआई की स्थिति

16 अक्टूबर	200
17 अक्टूबर	213
18 अक्टूबर	224
19 अक्टूबर	294
20 अक्टूबर	306
21 अक्टूबर	368
22 अक्टूबर	269

ठंडे पानी से आंखों को धोएं

मौसम में प्रदूषण दोबारा बढ़ने के कारण वीरवार को दिनभर आंखों में जलन रही। वहीं अधिकांश लोगों को सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मालविका बंसल के अनुसार धुएं और धूल का यह मिश्रण आंखों के लिए खतरनाक है। इस कारण आंखों में जलन की समस्या बढ़ जाती है। इससे बचने के लिए निरंतर ठंडे पानी से आंखों को धोना चाहिए।

सरेआम कूड़े के ढेरों में लगाई जा रही आग, वातावरण हो रहा प्रदूषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के कई क्षेत्रों में सरेआम कूड़े के ढेरों में आग लगाई जा रही है। यह कार्य किसी एक जगह का नहीं बल्कि कॉलोनियों, बाजारों और सड़कों के किनारे आम हो गया है। खुले में कूड़ा जलाने से उठने वाला धुआं पूरे वातावरण को प्रदूषित कर रहा है, जिससे सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। जहां एक ओर प्रशासनिक स्तर पर वायु प्रदूषण को रोकने के लिए ग्रैप टू की पाबंदियां लगाई है, वहीं दूसरी ओर इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाई कर्मचारी और कुछ आमजन रोजाना कूड़े में आग लगाकर उसे खत्म करने की कोशिश करते हैं, जिससे घंटों तक धुआं फैलता रहता है। लोगों का कहना है कि आग लगने से उठने वाले धुएं के कारण सांस लेने में परेशानी होती है। वहीं इस तरह की घटनाएं शहर की वायु गुणवत्ता को बेहद खराब कर रही हैं।

- ग्रैप टू के नियमों की हो रही अवेहलना

झज्जर। शहर के सिलानी गेट क्षेत्र में कूड़े के ढेर में लगाई गई आग।

स्टेज-टू के अंतर्गत प्रमुख पाबंदियां

स्टेज-टू के तहत सड़कों की दैनिक मैकेनिकल आधारित सफाई, पानी का छिड़काव और डस्ट सप्रेसेंट का उपयोग, निर्माण एवं विध्वंस स्थलों पर धूल नियंत्रण उपायों की सख्त निगरानी, होटल, रेस्टोरेंट और खुले खाने के स्थानों पर कोयला व लकड़ी का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित, डीजल जेनरेटर का उपयोग केवल अत्यावश्यक सेवाओं में, जैसे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट आदि में ही होगा, निजी वाहनों के प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिए पार्किंग शुल्क में बढ़ोतरी, खुले में कचरा या बायोमास जलाने पर सख्त पाबंदी तथा अक्टूबर से जनवरी के बीच धूल उत्पन्न करने वाली निर्माण गतिविधियों से परहेज आदि गतिविधियां शामिल हैं।

नियमानुसार लगाया जाएगा जुर्माना

नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि निगरानी के लिए कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई जाएगी। अगर सफाई कर्मचारियों की संलिप्ता पाई जाती है तो नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी। लोगों द्वारा कूड़ा जलाने पर जुर्माना लगाया जाएगा।

विशेषज्ञों का कहना है कूड़ा जलाने से सिर्फ हवा ही नहीं मिट्टी और पानी भी प्रदूषित होता है। जिससे सांस की बीमारियां फैलने का अंदेशा है।

बहादुरगढ़। एचएनजी में पौधरोपण करते चेयरमैन श्रेय माधवानी व अन्य।

एचएनजी के हजारों कर्मचारियों को राहत

- अधिग्रहण के बाद बहादुरगढ़ प्लांट का दौरा करने पहुंचे चेयरमैन श्रेय माधवानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

युगांडा के माधवानी समूह की कंपनी ने एचएनजी कंपनी का सफलतापूर्वक अधिग्रहण कर लिया है। इसके साथ ही हजारों कर्मचारियों ने राहत की सांस ली है। बीते 3 सालों से वे अपने रोजगार व भविष्य को लेकर चिंतित थे। टेकओवर के बाद नई लीडरशिप ने एचएनजी प्लांट का दौरा किया और कंपनी के पुनरुत्थान की प्रक्रिया तेज करने का आश्वासन दिया। बता दें कि इंडिपेंडेंट शुगर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने तमाम औपचारिकताओं के बाद हिंदुस्तान नेशनल ग्लास एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का अधिग्रहण कर लिया है। एचएनजीआईएल का टेकओवर करने के बाद नए चेयरमैन श्रेय माधवानी ने प्रबंध निदेशक कुमार कृष्णन और प्रमोटर परिवार सदस्य मिहिर माधवानी के साथ बहादुरगढ़ प्लांट का दौरा किया। इससे पहले उन्होंने कोलकाता मुख्यालय और ऋषरा संयंत्र का दौरा किया था।

अब प्लांट 100 प्रतिशत क्षमता पर चलाएंगे

प्लांट प्रमुख यशवीर सिंह के साथ यूनियन लीडर सुरेंद्र कुमार और वजीर सिंह ने उनके साथ संयंत्र संचालन, कर्मचारियों हितों और पूर्ण संचालन दक्षता हासिल करने के रोडमैप पर विस्तृत समीक्षा बैठक में भाग लिया। श्रेय माधवानी ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि आईएनएसीओ के कुशल नेतृत्व और एचएनजीआईएल के समर्पित कार्यबल के सहयोग से कंपनी दोबारा विश्व की अग्रणी ग्लास निर्माता बनेगी। वे सभी गैर-कार्यरत भट्टियों को दोबारा चालू करने और इस संयंत्र को वर्तमान 60 प्रतिशत क्षमता से बढ़ाकर 100 प्रतिशत उत्पादन क्षमता तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कर्मचारियों ने भी उन्हें आश्वस्त किया कि सामूहिक प्रयास बेहतर परिणाम देंगे। कोलकाता स्थित सोमानी परिवार ने 1946 में स्थापित एचएनजीआईएल का पहला पूर्ण स्वचालित ग्लास निर्माण संयंत्र ऋषरा में प्रारंभ किया था। यह कंपनी देशभर में सात स्थानों पर कार्यरत है।

बहादुरगढ़। डायल 112 पर तैनात कर्मचारियों से बात करते डीसीपी मयंक मिश्रा।

डीसीपी ने रात में नाकों व पीसीआर की जांच की

- पुलिस कर्मचारियों से उनके कार्यस्थल की परिस्थितियों और उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली

बहादुरगढ़। पुलिस उपायुक्त मयंक मिश्रा ने बुधवार देर रात बहादुरगढ़ में लगाए गए नाकों और डायल 112 पीसीआर की जांच की। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों से उनके कार्यस्थल की परिस्थितियों और उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। डीसीपी मयंक मिश्रा ने नाकों पर तैनात कर्मचारियों से बातचीत की। उनके सुझाव व शिकायतें सुनीं। मिश्रा ने कहा कर्मचारियों की समस्याओं का समय पर समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। सभी कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाएंगे। डीसीपी मयंक मिश्रा ने डायल 112 पर तैनात कर्मचारियों को सतर्क रहने, त्वरित प्रतिक्रिया देने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रात के समय पुलिस की उपस्थिति नागरिकों के मनोबल और सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। डायल 112 का समय पर, सतर्क और जिम्मेदार रवैया कानून व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार नर्स की मौत

छुछकवास मार्ग पर रेलवे स्टेशन के नजदीक हुआ हादसा, डंपर ने चपेट में लिया

झज्जर। घटनास्थल पर डंपर के नीचे पड़े ममता के शव को कपड़े से ढकते हुए पुलिसकर्मी तथा घटनास्थल पर एकत्रित राहगीरों की भीड़ व परिजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के छुछकवास मार्ग पर रेलवे स्टेशन के नजदीक हुई सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार नर्स की मौत हो गई। मृतका की पहचान क्षेत्र के गांव ग्वालिसन निवासी करीब 32 वर्षीय ममता पुत्री बिजेंद्र के तौर पर हुई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ममता गिरावड़ स्थिति एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में डेंटल विभाग में कार्यरत थी। वीरवार की सुबह भी रोजाना की तरह ममता अपनी स्कूटी सवार होकर ड्यूटी के लिए निकली थी। जब वह रेलवे स्टेशन के फाटक को क्रॉस कर रही थी तो एक डंपर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ममता की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में राहगीरों ने पहचान कर उसके परिजनों व पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने परिजनों के बयान पर डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

झज्जर। अपनी मां को ढांढस बंधाते व मोबाइल पर परिजनों को हादसे की सूचना देते हुए मृतका का भाई। फोटो : हरिभूमि

वाहनों को रास्ते से हटवाकर रास्ता सुचारू कराया

हादसे के बाद फाटक के नजदीक खड़े डंपर से वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने ट्रक चालकों की मदद से वाहन को रास्ते से हटवाकर रास्ता सुचारू कराया। मृतका की मां व भाई भी घटनास्थल पर पहुंचे। ऐसे में दोनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

बेरी रोड पर दुर्घटना में स्टॉक मालिक की मौत

बहादुरगढ़। बेरी रोड पर वीरवार सुबह हुए सड़क हादसे में गांव लोवा खुर्द निवासी स्टॉक मालिक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब परमजीत अपने स्टॉक से सड़क पार कर दूसरे स्टॉक पर जा रहा था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार चालक के विरुद्ध अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि गांव लोवा खुर्द निवासी परमजीत ने बेरी रोड पर टांडाहेड़ी से पहले भवन निर्माण सामग्री का स्टॉक कर रखा है। मृतक के भाई अमरजीत ने थाना सदर में दी शिकायत में बताया कि वीरवार सुबह करीब पौने 10 बजे वह सड़क किनारे खड़ा था। जबकि उसका भाई परमजीत एक स्टॉक से सड़क पार कर दूसरे स्टॉक पर जा रहा था। लेकिन एक तेज रफ्तार गाड़ी ने लापरवाही से उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसके भाई परमजीत की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भेज दिया गया। पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 106, 281 व 194 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एएसआई नवीन कुमार ने बताया कि वाहन चालक की पहचान की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

धर्म | शहर में बसे पूर्वांचल के हजारों लोगों ने की छठ महापर्व की तैयारी

छठ पूजा का मुख्य आयोजन 25 अक्टूबर की शाम व 28 अक्टूबर को अलसुबह होगा

कल से शुरू होगा छठ महापर्व, नहर के घाटों पर सफाई और रंग-रोगन शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

चार दिनी छठ महापर्व का शुभारंभ शनिवार को हो जाएगा। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को आयोजित किए जाने वाला छठ का पर्व वास्तव में सूर्य की उपासना का पर्व है। बहादुरगढ़ में भी छठ पूजा की तैयारियां जोरों पर है। छठ पूजा की शुरुआत 25 अक्टूबर को नहायखाय से होगी।

रविवार को खरना के साथ ही महिलाओं का 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। शहर में बसे पूर्वांचल के हजारों लोगों ने दीपावली के बाद विशेषकर बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश से आए परिवारों में छठ महापर्व की तैयारी जोरों पर हैं।

बता दें कि तालाब व नहरों में पानी में खड़े होकर महिलाएं अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर संतान सुख और परिवार की समृद्धि की कामना करतीं हैं। इस बार सोमवार 27 अक्टूबर को संध्या अर्घ्य और मंगलवार 28 अक्टूबर को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत संपन्न होगा।

बहादुरगढ़। नहर किनारे बने छठ पूजा घाट पर तैयारियों में जुटे प्रवासी।

शहर में कई जगह होगा आयोजन

छठ पूजा के लिए विशेष रूप से तैयारी शुरू हो गई है। बहादुरगढ़ में भी दर्जनों स्थानों पर भव्य रूप से छठ पूजा का महापर्व मनाया जाता है। ऐसा विश्वास है कि इस दिन सूर्यदेव की अराधना करने से व्रती को सुख, सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है और उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। चूंकि तालाब या पोखर के किनारे पर पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसलिए शहर में मुख्य जलघर के निकट नहर पर स्थाई घाट के अलावा दर्जनों स्थानों पर अस्थाई घाट बनाए जाते हैं। विभिन्न छठ पूजा आयोजन समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित घाटों की सफाई और रंग-रोगन के काम में जुट गई हैं।

छठ पर्व पर अवकाश की मांग

अनिल ओझा ने बताया कि व्रत के पहले दिन कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को नहाय-खाय के रूप में मनाया जाता है। दूसरे दिन कार्तिक शुक्ल पंचमी को खरना किया जाता है। छठ की पूजा में गन्ना, फल, डाला और सूप आदि का प्रयोग किया जाता है। छठ पूजा के दिन सुकर्मा और रवि योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन कौलव और तैतिल करण का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही पूर्वाषाढा नक्षत्र का भी संयोग है। प्रदीप सिन्हा ने हरियाणा सरकार से अनुरोध किया कि छठ महापर्व मनाने वाले श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए सांध्य अर्घ्य के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए।

पराली जलाने की घटनाओं की सेटेलाइट से निगरानी

पराली न जलाने पर 1200 रुपये दे रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

स्वप्निल रविंद्र पाटिल, डीसी झज्जर।

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि किसान फसलों की कटाई के बाद खेतों में पराली या अन्य फसल अवशेष न जलाएं, बल्कि आधुनिक कृषि यंत्रों से उसका उचित प्रबंधन करें। सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए 12सौ रुपए प्रति एकड़ तक की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इसके अलावा किसान इन-सीटू व एक्स-सीटू प्रबंधन अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं और खेत की मिट्टी की उर्वरता को भी बढ़ा सकते हैं। वहीं कृषि उपनिदेशक डॉक्टर जितेंद्र अहलावत ने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं पर रोक को लेकर सैटेलाइट मॉनिटरिंग और एएफएल ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए कड़ी नजर रखी जा रही है। पराली प्रोटेक्शन फोर्स द्वारा आईसीएआर एवं हैरसक तकनीक से रियल-टाइम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि पराली जलाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई और जुर्माना भी किया जाएगा।

रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

वाओ, इट्स अमेजिंग!

बच्चो, देश-विदेश में एक से बढ़कर एक सुंदर इमारतें बनाई गई हैं। इनमें से कुछ तो देखने में बहुत ही अजब-गजब हैं, वास्तुकला का अद्भुत नमूना हैं। इन्हें देखकर अनायास ही मुंह से निकलता है-वाओ, इट्स अमेजिंग! जानो, ऐसी ही कुछ अनोखी बिल्डिंग्स के बारे में।

बिग बास्केट बिल्डिंग अमेरिका

अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक अनोखी टोकरीनुमा इमारत है, इसे 'बास्केट बिल्डिंग' के नाम से जाना जाता है। इसका निर्माण लॉन्गबर्गर कंपनी ने वर्ष 1997 में किया था। यह बास्केट बिल्डिंग हाथ से बनी मेपल की लकड़ी की टोकरियों के प्रसिद्ध निर्माता लॉन्गबर्गर कंपनी का मुख्यालय रही है। विश्व की सबसे बड़ी बास्केट बिल्डिंग होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी इस बिल्डिंग के नाम है। इस 7 मंजिला इमारत में नेचुरल लाइट के लिए कांच की छत है। इसके ऊपर दो स्टील के हैंडल लगे हैं, जिनमें से प्रत्येक का वजन करीब 75 टन है। टोकरी के बड़े हैंडल सर्दियों में किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए गर्म रखे जाते हैं। इमारत पर दो टैग लगे हैं, जो लॉन्गबर्गर द्वारा बेची जाने वाली हर टोकरी पर लगे लेबल से मिलते-जुलते हैं। *

साइबरटेक्चर एग बिल्डिंग भारत

मुंबई में स्थित जेम्स लॉ साइबरटेक्चर बिल्डिंग का डिजाइन अपने आप में बहुत अनूठा है। इस इमारत को हॉन्ग-कॉन्ग की एक फर्म ने डिजाइन किया है। 13 मंजिला यह कमर्शियल बिल्डिंग अंडे के आकार की है। इस इमारत को बनाने में कंक्रीट, स्टील और ग्लास का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसके ऑफिस का कैंपस 33,000 स्क्वेयर मीटर में बना हुआ है। तीन अंडरग्राउंड लेवल्स में 400 गाड़ियों के लिए पार्किंग स्पेस भी है। अपनी डिजाइनिंग के लिए ही नहीं, अपने एन्वॉयर्नमेंट फ्रेंडली स्ट्रक्चर के लिए भी यह इमारत प्रसिद्ध है। *

बर्ड्स नेस्ट स्टेडियम चीन

बीजिंग राष्ट्रीय स्टेडियम, जिसे बर्ड्स नेस्ट यानी 'चिड़िया का घोंसला' के नाम से भी जाना जाता है। यह पूरी दुनिया में अपनी तरह की एक अनोखी संरचना है। यह चीन के बीजिंग के चाओयांग में ओलंपिक ग्रीन में स्थित एक स्टेडियम है। इस स्टेडियम की क्षमता लगभग 80,000 लोगों की है। यह वर्ष 2008 में बनकर तैयार हुआ था। इस स्टेडियम को खासतौर से 2008 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक के लिए डिजाइन किया गया था। *

गिटार शेप्ड होटल अमेरिका

अमेरिका के दक्षिण फ्लोरिडा में स्थित गिटार के आकार का होटल, अपनी तरह का पहला होटल है। अक्टूबर 2019 में इसका निर्माण शुरू हुआ था। यह होटल 35 मंजिला है। यह गिटार होटल दक्षिण फ्लोरिडा में 450 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। दक्षिण फ्लोरिडा के पर्यटन क्षेत्र में इसका अनोखा स्थान है। इसमें 600 से ज्यादा कमरे हैं। रात में इसकी जगमगाती लाइट्स, गिटार के तारों जैसी लगती हैं। *

बिग पाइनएप्पल ऑस्ट्रेलिया

बिग पाइनएप्पल, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया के सनशाइन कोस्ट क्षेत्र के वूम्बी, नैंबोर कनेक्शन रोड पर स्थित एक आकर्षक दर्शनीय बिल्डिंग है। इसे पेडल व्हील्स और हार्वे, पॉल लफ और गैरी स्मॉलकॉम्ब एंड एसोसिएट्स ने डिजाइन किया था। इसे सनशाइन प्लांटेशन के नाम से भी जाना जाता है। इसको 6 मार्च 2009 को क्वींसलैंड हेरिटेज रजिस्टर में शामिल किया जा चुका है। *

हाई-हील वेडिंग चर्च ताइवान

ताइवान के बुदाई टाउनशिप में यह एक विशाल कांच का चर्च है, जो सिंड्रेला के कांच के जूते के आकार का है। यह हाई-हील वेडिंग चर्च महिला श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से 2016 में बनाया गया था। इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी हाई-हील के आकार की संरचना के रूप में प्रमाणित भी किया गया है। *

नोंक पर टिका चर्च कनाडा

कनाडा के कैलेंड्री में यह चर्च स्थित है। यह देखने में उल्टा लगता है। यह एक नोंक पर टिका हुआ चर्च है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के लिए यह आकर्षण का केंद्र है। कनाडा के इस अनोखे चर्च का नाम 'डिवाइस टू रूट आउट डेविल' है। इसका मतलब शैतान या बुराई को जड़ से उखाड़ने के यंत्र से है। इसका निर्माण 2019 में हुआ था। *

बच्चो, किसी पहाड़ की ऊंचाई से गिरते हुए पानी को झरना यानी वाटर फॉल कहते हैं। ऊंचे पहाड़ों से जब तेज गति के साथ पानी गिरता है, तो यह दृश्य बहुत ही मनोरम लगता है। हम तुम्हें अपने देश के तीन सबसे ऊंचे झरनों के बारे में बता रहे हैं।

देश के तीन फेमस हाईएस्ट वाटर फॉल्स

जानकारी
नयनतारा

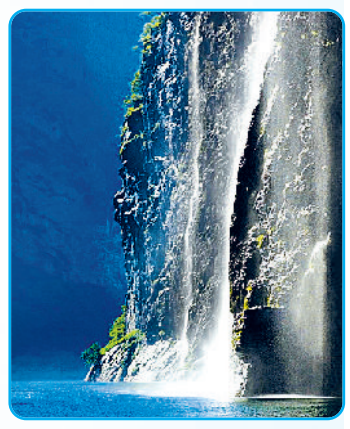

बच्चो, झरना यानी वाटर फॉल किसी ऊंचाई से नीचे की तरफ गिर रहा पानी का एक नेचुरल फ्लो होता है। आमतौर पर झरना ऊंचे पहाड़, ऊंची चट्टान या चट्टानी ढलान से नीचे की तरफ गिरता है। जब झरने का यह पानी नीचे की तरफ गिरता है, तो बड़ा ही मनोरम लगता है। अपने देश में ऐसे बहुत से सुंदर-प्रसिद्ध झरने हैं, जिसे देखने देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इनमें से कुछ झरनों की विशेषताओं के बारे में यहां हम तुम्हें बता रहे हैं।

दूसरा सबसे ऊंचा झरना: बच्चो, देश का दूसरा सबसे ऊंचा झरना ओडिशा के मयूर भंज जिले के सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है। यह बरेहीपानी नाम से जाना जाता है। यह झरना 399 मी. (1,309 फीट) की ऊंचाई से गिरता है। बरेहीपानी झरना देखने के लिए पर्यटकों को कोई परमिशन नहीं लेनी पड़ती। लेकिन चूंकि यह झरना सिमलीपाल नेशनल पार्क में स्थित है, इसलिए नेशनल पार्क में प्रवेश करने के लिए वन विभाग से परमिट लेना जरूरी होता है। यह परमिट पार्क के एंट्री गेट पर मिल जाता है।

सबसे ऊंचा झरना: कर्नाटक के शिवमोग्गा (शिमोगा) जिले के अगुंबे वर्षावन में स्थित कुंचिकल झरना भारत का सबसे ऊंचा झरना है। यह झरना 455 मी. (1,493 फीट) ऊंचा है और इससे गिरने वाले जल का मुख्य स्रोत कर्नाटक की वाराही नदी है। बच्चो, यह झरना कुंचिकल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट क्षेत्र में स्थित है। यह स्थान प्रतिबंधित क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां बिना अनुमति के प्रवेश वर्जित होता है। पर्यटकों को यहां तक जाने के लिए कर्नाटक पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड से अनुमति लेनी पड़ती है।

तीसरा सबसे ऊंचा झरना: अपने देश का तीसरा सबसे ऊंचा झरना, पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में चेरापूंजी के पास नोहकलिकई नामक झरना है, जो 340 मी. (1,115 फीट) ऊंचाई से गिरता है। इस झरने के व्यू प्वॉइंट तक जाने के लिए मेघालय पर्यटन विभाग को फिक्स एंट्री-फी देनी होती है। *

कविता / अरुण आदित्य

खुशी

फूल टहनियों पर खुश रहते
तितली फूलों पर
चिड़िया पेड़ों पर खुश रहतीं
बच्चे झूलों पर।
चांद आसमां में खुश रहता
मछली पानी में
पानी नदियों में खुश रहता
नदी रवानी में।
फुलवारी से फूल न तोड़ो
तितली को मत पकड़ो
चिड़ियों को आजादी प्यारी
पिंजरे में मत जकड़ो।
चांद पे झूला डाल के झूलो
नदियों को बहने दो
जिसको जहां खुशी मिलती है
उसे वहीं रहने दो।

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

मिथकों से विज्ञान तक

हाल में किशोरों के लिए एक बहुत रोचक-ज्ञानवर्धक किताब आई है-मिथकों से विज्ञान तक। इसके लेखक हैं प्रसिद्ध वैज्ञानिक गौहर रजा। यह किताब तुम्हें कई सवालों के जवाब देगी जैसे कि ब्रह्मांड कैसे बना और समय के साथ उसमें क्या-क्या बदलाव आए? विज्ञान और मिथकों में क्या फर्क है? विज्ञान और धर्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या पूरक? इस किताब में दुनिया भर के मिथकों के उदाहरण देकर विज्ञान की कसौटी पर उन्हें परखा गया है। किताब में ऐसी ही उदाहरण दिए गए हैं, जिससे तुमको मनोरंजन और ज्ञान दोनों मिलेगा। अगर तुम्हारी विज्ञान में रुचि है तो इस किताब को जरूर पढ़ना चाहिए। *

किताब: मिथकों से विज्ञान तक, **लेखक:** गौहर रजा,
मूल्य: 299 रुपए, **प्रकाशक:** पेंगुइन, स्वदेश

जीके क्विज-176

1. साल 2025 में शांति का नोबेल पुरस्कार किसे मिला है?
2. भारत के वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त कौन हैं?
3. संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय किस देश में स्थित है?
4. गुरुत्वाकर्षण की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी?
5. विश्वनाथन आनंद का संबंध किस खेल से है?
6. गाजर में कौन सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
7. श्वेत क्रांति (व्हाइट रिवोल्यूशन) का संबंध किससे है?
8. भारत का दक्षिणतम बिंदु किस नाम से जाना जाता है?
9. भारत में सबसे पहले सूर्योदय किस राज्य में दिखता है?
10. दूध की शुद्धता मापने के लिए किस यंत्र का प्रयोग किया जाता है?

बच्चों, जीके क्विज-176 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-175 का उत्तर: 1.लास्ज्लो क्रास्ज्नाहोरकाई, 2.स्वामी विवेकानंद, 3.कार्तिक, 4. प्रशांत महासागर, 5.गुजरात, 6.स्टेपीज, 7.दयानंद सरस्वती, 8.प्रकाश वर्ष, 9.पेरिस (फ्रांस), 10.बाल गंगाधर तिलक

जीके क्विज-175 का सही उत्तर देने वाले: कबीर-हिसार, आशुतोष-रायपुर, कमल-बिलासपुर, राजन-भोपाल, शिखर-बालोद, जतिन-दिल्ली, कुसुम-बेमेतरा, प्रियांक-बलौदा बाजार, सोहम-कांकेर, अविनाश-गुना, राखी-दुर्ग

बूढ़े कछुए ने आरसी को बताया कि समुद्र में इंसानों द्वारा फेंका गया प्लास्टिक कचरा समुद्र और समुद्री जीवों के लिए बहुत घातक है। आरसी ने तय किया वह प्रयास करेगा, ऐसा ना हो। क्या आरसी अपने प्रयास में सफल हुआ?

जल की पुकार

कहानी
कल्पना मनोरमा

कपड़े के थैले इस्तेमाल करें और प्लास्टिक भूल जाएं, तो समुद्री जीवों की जान बच सकती है, समुद्र जहरीला नहीं, साफ-सुथरा रहेगा।' बूढ़े कछुए ने दूसरे किनारे की ओर पड़े प्लास्टिक कचरे की ओर इशारा किया। आरसी ने देखा- एक छोटी मछली प्लास्टिक के बड़े टुकड़े में उलझकर तड़प रही है। पास ही एक कछुआ बेसुध पड़ा है। आरसी की आंखें भर आईं। उसने धीमे से पूछा, 'क्या इंसान नहीं जानता कि वह कुदरत को बिगाड़ रहा है?'

बूढ़े कछुए ने सिर हिलाया, 'कुछ जानते हैं, कुछ नहीं। लेकिन जब बच्चे सच बोलते हैं, तो बड़े भी सुनते हैं।'

आरसी ने गहरी सांस ली और बोला, 'मैं सभी की आवाज बनूंगा। मैं जल की पुकार बनूंगा।'

उस दिन से आरसी ने एक नया खेल खेलना शुरू किया। वह समुद्र किनारे जाकर चिल्लाता, 'सुनो, सुनो! जल कुछ कहता है—प्लास्टिक मत फेंको!'

शुरू-शुरू में बच्चे आरसी की इस गुहार पर हंसते, लेकिन धीरे-धीरे वे अपने खेल का सामान, खाना-पीना थैले में लेकर आने लगे। समुद्र में कुछ नहीं बहाते। समुद्र का किनारा साफ रहने लगा। एक दिन आरसी ने देखा- लहरें मानो ताली बजा रही हैं।

पानी के भीतर से मधुर स्वर गूंज रहा था- 'जल की पुकार सुनो, जीवों की रक्षा करो।'

आरसी ने बूढ़े कछुए को खोजकर अपनी सफलता बताई। बूढ़ा कछुआ मुस्कुराया, 'देखा, आरसी! यही असली बदलाव है। जब बच्चे सच बोलते हैं, तो बड़े भी सुनते हैं।'

आरसी उस रात चांद के साथ समुद्र के किनारे बहुत देर तक घूमता रहा। *

कहानी
प्रकाश मनु

धरती पर चमेली के फूल ऐसे ही नहीं खिले, इसके पीछे एक अजीबो-गरीब कहानी है, जो एक भोली-भाली लड़की के अद्भुत साहस की कहानी है।

खिल उठे चमेली के फूल

एक थी चमेली। बड़ी ही सुंदर और भोली-भाली, लेकिन वह दिलेर भी कम न थी। गांव में जो काम कोई बच्चा नहीं कर पाता, उसे चमेली झट कर दिखाती। उसकी हिम्मत देखकर बच्चे ही नहीं, बड़े भी हैरान होते।

एक दिन, चमेली अपनी सहेलियों से बात कर रही थी। तभी किसी ने कहा, 'अगर इतनी ही होशियार हो तो क्या तुम अक्का बाबा का मोती ला सकती हो?' 'अक्का बाबा का मोती!' चमेली चकराई। अभी तक तो किसी ने यह सोचा भी नहीं था। कहते हैं, सैकड़ों बरस पहले सामने वाले पहाड़ की ऊंची चोटी पर रहते थे अक्का बाबा। उनके पास एक विचित्र मोती था। खूब बड़ा। नीचे धरती से उस मोती को देखने पर एकदम गोल-गोल चांद सरीखा लगता। अक्का बाबा कहा करते थे, 'यह खुशहाली का मोती है, पर इसे धरती पर ले जाना कोई खेल नहीं।'

सचमुच बहुतों ने कोशिश की, पर अक्का बाबा के उस मोती को कोई छू भी नहीं पाया। बड़ी ही कठिन चढ़ाई थी वहां की। पर चमेली ने सुना तो झट से बोली, 'हां-हां, क्यों नहीं?' और उसी समय चमेली ने पहाड़ पर चढ़ना शुरू कर दिया। शाम का समय था। चमेली तेजी से पहाड़ पर चढ़ती जा रही थी। कुछ देर में रात हो गई। सारे कबीले के लोग हैरानी से चमेली को देख रहे थे, जो सीधे खड़े पहाड़ पर बड़ी हिम्मत से चढ़ती जा रही थी।

वह पूनम की चांदनी रात थी। सब ओर चांदनी बिखरी हुई थी। इसलिए दुर्गम पहाड़ पर तेजी से चढ़ती चमेली हर किसी को नजर आ रही थी। सभी उसकी हिम्मत की दाद दे रहे थे। चलते-चलते चमेली आखिर पहाड़ की चोटी पर पहुंची। उसने अक्का बाबा का मोती उठाया और फौरन वापस नीचे की ओर चल दी। ऐसा लगता था, आसमान के चांद की तरह चमेली की हथेली पर भी एक चांद रखा है, जिसे लिए-लिए वह धरती पर आ रही है।

सुबह चमेली धरती पर आई, तो कबीले के लोगों ने हैरानी से देखा कि सांवले रंग की चमेली अब एकदम चांदनी जैसी उजली हो गई थी। पता नहीं, यह पूनम की चांदनी का असर था या फिर उस बड़े से श्वेत मोती का, जो अब चमेली के हाथ में था। पर जैसे ही चमेली ने वह अनोखा मोती अपनी सहेलियों को दिया, उनमें पहले उसे लेने की होड़ लग गई। और फिर न जाने कब वह धरती पर गिरा और टूट कर छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट गया।

तभी एक और चमत्कार हुआ। लोगों ने देखा, चमेली अब अदृश्य हो चुकी थी और जहां वह मोती टूट कर गिरा था, वहां छोटे-छोटे सुंदर, महकते फूल खिल उठे थे। कबीले के लोगों ने उनका नाम रखा, चमेली के फूल। जहां-जहां उस कबीले के लोग गए, वहां-वहां पहुंचे चमेली के फूल और फिर एक दिन सारी धरती पर छा गए। *

अंतर बताओ

बच्चो, यहां फुटबॉल खेल रहे लड़कों के दो चित्र दिए गए हैं। इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये पांचों अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट पांच अंतर खोजो।

उत्तर: 1. स्ट्राइकर (गोल करने वाला खिलाड़ी) की दोनों आंखें बंद हैं। 2.स्ट्राइकर की जर्सी का नंबर बदला हुआ है। 3.स्ट्राइकर के दाहिने पैर के जूते पर दो धारियां बनी हुई हैं। 4.ऊपर आसमान में बादल के दो टुकड़े दिख रहे हैं। 5.मैदान में आगे कम घास उगी हुई है।

सही मिलान करो

बच्चो, नीचे बाईं तरफ कुछ चित्र दिए गए हैं। दाईं तरफ उन चित्रों की परछाई क्रमवार नहीं है। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से प्रत्येक चित्र के साथ उसकी सही परछाई का मिलान करो।

उत्तर: 1-D, 2-C, 3-A, 4-B

खबर संक्षेप

शहर को साफ बनाना अभियान का लक्ष्य:डीसी

झज्जर। जिला प्रशासन द्वारा हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत जिला में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि नगर परिषद झज्जर व बहादुरगढ़ तथा नगर पालिका बेरी द्वारा बाजारों, कॉलोनियों और वार्डों तथा बादली ग्रामीण क्षेत्र में सफाई प्रतिदिन की जा रही है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रह और कचरा प्लांट में निस्तारण की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कॉलोनियों में वार्ड के नोडल अधिकारी सफाई करवा रहे हैं।

मादक पदार्थ हेरोइन सहित एक आरोपी पकड़ा

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा मादक पदार्थ हेरोइन सहित एक आरोपी को पकड़ा गया है। पुलिस चौकी मातनहेल प्रभारी सत्यवीर ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि जयदीप निवासी बिरोहड़ मादक पदार्थ की तस्करी का अवैध धंधा करता है। वह नशीला पदार्थ को बेचने के लिए हनुमान मंदिर के सामने गांव बिरोहड खड़ा हुआ है। जिस पर कार्रवाई करते हुए एएसआई प्रदीप कुमार की पुलिस टीम ने पकड़ा। उससे 26 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

कृषि आउटरीच कार्यक्रम पीएनबी में आज

झज्जर। शुक्रवार को पंजाब नेशनल बैंक द्वारा सभी शाखाओं में कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एलडीएम विजय सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य कृषि ऋण के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी उपलब्ध करवाना एवं मौके पर ही नियमानुसार स्वीकृति देना है। इस अवसर पर ग्राहकों को बैंक द्वारा चलाई जा रही कृषि ऋण संबंधी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। ग्राहकों द्वारा जरुरी कागजात उपलब्ध करवाए जाने के पश्चात मौके पर ही स्वीकृति प्रदान करने की भी व्यवस्था की गई है।

श्रीनामदेव जयंती समारोह हिसार में 26 को

नारनौल। श्री नामदेव समाज समिति एवं श्री नामदेव समाज चैरिटेबल ट्रस्ट की एक संयुक्त बैठक का आयोजन बुधवार देर शाम रविदास मार्ग स्थित नामदेव भवन में हुआ। इसकी अध्यक्षता संरक्षक ठेकेदार सुभाष चंद्र वर्मा लखमरा ने की। इस संबंध में ट्रस्ट अध्यक्ष पुष्कर मल वर्मा ने कहा कि 26 अक्टूबर को हिसार के गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम हाल में प्रातः नौ बजे राज्य स्तरीय नामदेव जयंती कार्यक्रम मनाया जाना है।
जिसके मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। यह हमारे समाज के लिए गौरव की बात है।

अनाज मंडी में 1.40 लाख क्विंटल बाजरा और 20 हजार क्विंटल धान की हुई खरीद

आढ़ती बोली लगाकर निजी स्तर पर धान की खरीद कर रहे, 1121 किस्म वाले धान की बोली 4225 रुपये प्रति क्विंटल लगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

अनाजमंडी में पहुंचे धान व बाजरे का खरीद कार्य जोरों पर है। प्राइवेट स्तर पर आढ़तियों धान व बाजरे की खरीद की जा रही है। किसान गेट पास कटवाने के बाद मंडी में अपनी फसल डाल रहे हैं। मार्केट कमेटी के ऑक्सन रिकार्डर नितेश ने बताया कि विभागीय आंकड़ों के अनुसार अभी तक बाजरे की कुल आवक 164 हजार क्विंटल दर्ज की गई है जिसमें से 140 हजार क्विंटल बाजरा खरीदा जा चुका है। उन्होंने बताया कि मंडी में बाजरा उठान कार्य भी जारी है। श्रमिकों द्वारा गाड़ियों में भरा बाजरा गोदामों तक पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा मंडी में धान की आवक भी हो रही है। अभी तक मंडी में 22 हजार क्विंटल आवक दर्ज की गई है जिसमें से 20 हजार 700 क्विंटल धान खरीदा भी जा चुका है। बता दें कि आढ़तियों द्वारा बोली लगाकर प्राइवेट स्तर पर धान की खरीद की जा रही है। मंडी में अलग-अलग क्वालिटी का धान पहुंच रहा है जिनमें 1121, 1718 व 1509 किस्में शामिल हैं। इनमें 1121 किस्म वाले धान की बोली 4225 रुपये प्रति क्विंटल, हाथों से निकाला हुआ 1718 किस्म का धान 3475 रुपये प्रति क्विंटल तथा मशीन से निकाले गए 1509 किस्म वाले धान की अधिकतम बोली 2825 रुपये प्रति क्विंटल रही।

- किसान गेट पास कटवाने के बाद फसल डाल रहे

झज्जर। अनाज मंडी में फसल की सफाई में जुटे श्रमिक।

बाबा कांशीगिरी मंदिर में सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या

श्री गोवर्धन महाराज, तेरे माथे मुकुट विराज रहयो.. भजन पर झूमे श्रद्धालु

भजन गायक योगेश रंजन ने तेरे सब संकट कट जाए पूजा गोवर्धन की कर ले.. गीत प्रस्तुत कर मन मोहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में 274वें सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। हैं। भजन गायक योगेश रंजन, राजेंद्र वधवा, भारत भूषण नंदा, देवेश शर्मा, पंकज भारद्वाज, रमेश लखेरा, केवल अरोड़ा, गनपत राय वर्मा, दिनेश दुजाना, मनोज चुघ, सुभाष वर्मा, सुमन वधवा, प्रिया तनेजा, वीना वर्मा, हर्ष चावला, सीमा तनेजा, विशन वधवा, शांति कटारिया, हिमांशी अरोड़ा, नीलम गाबा, सुरेश गाबा, संतोष हंस, कमल लता शर्मा, नारायणी सरदाना, डिंपल वर्मा, जितेंद्र वर्मा संगीतमयी सुंदरकांड का पाठ किया। भजन गायक योगेश रंजन ने तेरे सब संकट कट जाए पूजा गोवर्धन की कर ले.., श्री गोवर्धन महाराज, तेरे माथे मुकुट विराज रहयो.., पंकज भारद्वाज ने म्हारों बेड़ो पार लगा दीजियो सालासर महाराज, सालासर म्हारी नाव भंवर में अटकी, मारी लाज रखो थे अबकी, अटकी ने पार लगा दीजियो सालासर महाराज.., योगेश शर्मा ने आना पवन कुमार हमारे हरि कीर्तन में..आदि भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया। इस मौके पर मंदिर समिति उप प्रधान आशीष चावला, वेद बहल पाशु, पदम खट्टर, वीरभान, हेमंत वर्मा, प्रदीप काठपालिया, ईशांन मेहता, जय प्रकाश गुप्ता सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। बाबा कांशीगिरी मंदिर में सुंदरकांड पाठ करते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

एचएसवीपी कार्यालय में आज से धरना देगी यूनियन

बहादुरगढ़। हुडा जनस्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन द्वारा कई मांगों को लेकर शुक्रवार 24 अक्टूबर को सेक्टर-9 स्थित एचएसवीपी कार्यालय पर कार्यकारी अभियंता के विरुद्ध धरना प्रदर्शन और घेराव किया जाएगा। इस प्रदर्शन में राज्य कमेटी के 5 पदाधिकारी भी भाग लेंगे। राज्य प्रधान रामकिशन नागर ने बताया कि का र्य का री अभियंता को 2 महीने में दो बार मांग पत्र तथा नोटिस दिए जा चुके हैं। परंतु अब तक न तो वार्ता के लिए बुलाया गया है। ना कोई कार्यवाही की गई है। इसके विरुद्ध शुक्रवार से लगातार धरने प्रदर्शन शुरू किया जाएंगे।

- हुडा जनस्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन ने जताया विरोध

उनके अनुसार एक्सईएन अमित राठी सप्ताह में शुक्रवार, शनिवार और रविवार को ही बहादुरगढ़ कार्यालय में बैठते हैं। शेष दिनों में गुरुग्राम बैठते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा कच्चे कर्मचारियों का पिछले कई माह का ईपीएफ और ईएसआई जमा नहीं करवाया गया है। मुद्दा उठाने पर कर्मचारियों को हटाने की धमकी दी जा रही है। इन्हें कौशल रोजगार निगम के पोर्टल पर डाला जाए।

दुलीना चौकी में लगाए पौधे

शहीदों की स्मृति में पौधारोपण कर दिया हरियाली का संदेश

झज्जर। दुलीना पुलिस चौकी परिसर में पौधारोपण करते हुए उप निरीक्षक रविंद्र।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहीद पुलिसकर्मियों की अमर स्मृति में दुलीना चौकी में पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर दुलीना चौकी प्रभारी उप निरीक्षक रविंद्र ने कहा कि पौधारोपण न केवल शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि का प्रतीक है, बल्कि यह समाज और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी स्वयं निभानी चाहिए। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे स्वच्छ और हरित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं क्योंकि हरित वातावरण हमारे आने वाले पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव है।

लघु सचिवालय में जिलास्तरीय समाधान शिविर का आयोजन

सीटीएम ने सुनी समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें

- शिविर में बिजली, पानी, सड़क, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजस्व संबंधी मामले समाधान के लिए अधिकारियों के सामने आए

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

वीरवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता सीटीएम नमिता कुमारी ने की। उन्होंने आमजन की शिकायतें सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समाधान शिविर में बिजली, पानी, सड़क, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजस्व संबंधी मामले, पंचायत भूमि, बीपीएल व राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन तथा परिवार पहचान पत्र जैसी योजनाओं से जुड़ी आधा दर्जन से ज्यादा शिकायतें आई। उन्होंने प्रत्येक शिकायत पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

झज्जर। लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनती हुईं सीटीएम नमिता कुमारी। फोटो : हरिभूमि

कई दिन से समस्या से जूझ रहे थे स्थानीय लोग

भट्टी गेट में सीवरेज सफाई व्यवस्था की दुरुस्त, आमजन को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर के भट्टी गेट में लीकेज हुए सीवरेज मामले में प्रकाशित खबर का असर का हुआ है। विभाग के कर्मचारियों ने वीरवार को भट्टी गेट पहुंच कर सीवरेज की साफ-सफाई का कार्य किया। बता दें कि 22 अक्टूबर के अंक में हरिभूमि समाचार पत्र में सीवरेज लीकेज के कारण भट्टी गेट पर बने नरक जैसे हालात शीर्षक से खबर प्रकाशित की गई थी जिसमें मोहल्लावासियों को आ रही परेशानी से अवगत कराया था। खबर का संज्ञान लेते हुए विभागीय अधिकारियों ने कर्मचारी भेज कर वहां सीवरेज की सफाई का कार्य चलवाया। शाम तक कर्मचारी सीवरेज की सफाई कार्य में जुटे दिखाई दिए। जिसके चलते लोगों ने हरिभूमि समाचार पत्र का आभार जताया है।

खबर का असर

झज्जर। भट्टी गेट में चौगान माता मंदिर के नजदीक सीवरेज की सफाई करने के लिए लाई गई मशीन व हरिभूमि अखबार में प्रमुखता से प्रकाशित यहां की समस्या की खबर। फोटो : हरिभूमि

ग्वालिसन रोड पर जाम

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल ने भारी वाहनों का रूट डायवर्ट करने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल द्वारा स्थानीय रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित फाटक पर आए दिन लगने वाले जाम से छुटकारा दिलाने की मांग की है। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुभाष गुर्जर व वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र यादव द्वारा डीसी को भेजे गए ज्ञापन में लिखा गया है कि ग्वालिसन रोड रेलवे फाटक के पास अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। आए दिन लगने वाले इस जाम के कारण राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार जाम इतना लंबा रहता है कि वाहनों की कतार डाइवर्सन मार्ग तक पहुंच जाती है। ऐसे में एंबुलेंस की गाड़ी भी जाम में फंस जाती है। इसके अलावा फाटक के नजदीक बने गहरे गड्ढों को भरा जाना चाहिए। ज्ञापन में वीरवार को हुए हादसे का जिक्र भी किया गया जिसमें स्कूटी सवार युवती की डंपर के नीचे आने से दर्दनाक मौत हो गई। व्यापारियों ने कहा कि डाइवर्सन रोड और छुछकवास में पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाकर भारी वाहनों को डायवर्ट करते हुए उन्हें समस्या से निजात दिलाई जाए।

- फाटक के नजदीक बने गहरे गड्ढों को भरने की मांग

फसल की सहनशीलता व मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में मददगार

हकेंवि ने विकसित किया सॉयल हेल्थ प्लस जैव उत्पाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

सतत और जैविक कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने सॉयल हेल्थ प्लस नामक एक ऐसे नवीन जैव उत्पाद श्रृंखला का विकास किया है, जिसकी माध्यम से पौधों की वृद्धि को प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बेहतर बनाने व मिट्टी के समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाना संभव हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर शोध दल को बधाई दी और कहा कि ऐसे प्रयास हकेंवि की जैव प्रौद्योगिकी में बढ़ती नेतृत्व क्षमता को दर्शाते हैं और यह विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय खाद्य एवं पर्यावरण सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को भी मजबूत करते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व व मार्गदर्शन में विकसित यह उत्पाद स्थायी एवं जैविक कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर जारी पारंपरिक एवं स्वदेशी ज्ञान आधारित अनुसंधान का परिणाम है। विश्वविद्यालय में यह ट्रांसलेशनल रिसर्च बायोरैक पीएसीई अनुदान के अंतर्गत अर्जित 40 लाख रुपये की अनुदान राशि के उपयोग के अंतर्गत की गई है। विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत यह अनुदान सिलिकेट घुलनशील बैक्टीरिया आधारित पौध वृद्धि संवर्धक जैव उत्पाद का विकास, जिससे पौधों की प्रतिकूल परिस्थितियों में सहनशीलता बढ़ाई जा सके।

- रिसर्च बायोरैक पीएसीई अनुदान के 40 लाख रुपये से पूरी की

महेंद्रगढ़। कुलपति को शोध कार्य की जानकारी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी

इस परियोजना का नेतृत्व जैव प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रूपेश देशमुख व डॉ. हुमैरा सोनाह कर रहे हैं। इनके निर्देशन में शोध दल ऐसे जैव उत्पादों की श्रृंखला विकसित कर रहा है, जो सूखा, लवणता जैसी पर्यावरणीय चुनौतियों से फसलों की रक्षा करें और साथ ही मिट्टी के सूक्ष्म जीव सक्रियता को बढ़ाकर उसकी उर्वरता और संरचना को पुनर्स्थापित करें। इन नवाचारों से मिट्टी की जीवन्तता, फसल उत्पादन क्षमता और टिकाऊ कृषि प्रणाली में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

इन्होंने शोध में लिया हिस्सा

विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रूपेश देशमुख ने बताया कि विश्वविद्यालय में इस रिसर्च कार्य में पवन कुमार, बादल महाकालकर, वैभव यादव, आकाश मौर्य, प्रगति, गीतांजली जोशी, सैंड्रा, दया, मुकेश मेघवाल व डॉ. स्रीजा सुधाकरन जैसे शोधार्थी प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। यह दल प्रयोगात्मक सत्यापन, बड़े पैमाने पर उत्पाद विकास तथा क्षेत्रीय परीक्षणों पर कार्य करेगा, ताकि इसके प्रभाव का वास्तविक मूल्यांकन किया जा सके। यह उपलब्धि हकेवि के अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो यह दर्शाती है कि विश्वविद्यालय पर्यावरण के अनुकूल, विज्ञान आधारित समाधानों के माध्यम से भारत की कृषि सहनशीलता, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

शहद को भावांतर भरपाई योजना में किया शामिल

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने मधुमक्खी पालकों को शहद का उचित भाव न मिलने से होने वाले नुकसान से बचाने और होने वाले घाटे की संभावनाओं का जोखिम खत्म करने के लिए शहद को भावांतर भरपाई योजना में शामिल कर दिया गया है।

भावांतार भरपाई योजना में कच्चे शहद का 120 रुपये प्रति किलो का भाव रखा है। इससे किसानों को पूरा भाव मिलेगा और उनकी आय बढ़ेगी। मधुमक्खी पालकों को बागवानी विभाग के मधु क्रांति पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रेम यादव ने बताया कि जिला में किसानों द्वारा पारंपरिक खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन का कार्य भी किया जा रहा है, लेकिन मार्केट में कई बार शहद के रेट कम मिलने से मधुमक्खी पालकों का रूझान कम हो रहा था।

सूचना

मैं, बलवान सिंह पुत्र श्री रामफल सिंह निवासी गांव खेड़ी जसौर, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र साहिल व पुत्रवधु नीरज मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

दिवाली के बाद गायब हुई बाजार से रौनक

बहादुरगढ़। दीपावली के दो दिन बाद ही शहर के बाजारों से रौनक गायब हो गई। रोशनी के इस त्योहार से पहले लोगों की चहल-पहल से गुलजार रहने वाले शहर के बाजार आज टकटकी लगाए ग्राहकों की राह देखते नजर आए। दीपावली के बाद बाजार में ग्राहकों की संख्या कम रही और दुकानदारों के चेहरे मुरझाए दिखे। दुकानदारों को यह उम्मीद थी कि दीपावली के बाद भी कारोबार की गति बनी रहेगी लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी। मिठाई की दुकान के संचालक जयभगवान ने बताया कि धनतेरस से दीपावली तक बिक्री ठीक हुई मगर विश्वकर्मा दिवस व भाई दूज पर ग्राहक नजर नहीं आए।

अवैध हथियार के साथ एक काबू

बहादुरगढ़। एंटी व्हीकल थैफ्ट विंग की टीम ने एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ काबू किया। प्रभारी सज्जन कुमार ने बताया कि बादली चुंगी पर राव तुलाराम पार्क के नजदीक एक युवक को शक की बिनाह पर पकड़ा गया। तलाशी ली गई तो राहुल से एक अवैध हथियार बरामद हुआ। सके खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना शहर बहादुरगढ़ में शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। उसे अदालत के आदेश अनुसार न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सरेआम सट्टा खाईवाली करते एक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। थाना लाइनपार पुलिस ने सरेआम सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। एसएचओ परमजीत ने बताया कि पुलिस टीम ने सरेआम सट्टा खाईवाई करते साहिल निवासी लाइनपार को पकड़ा। मौके पर तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 2160 रुपए की नगदी और सट्टा पर्चियां बरामद हुई। उसके खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

भैयादूज पर्व पर दिखा उत्साह, भाई भी तिलक करवाने के लिए बहनों की ससुराल पहुंचे

भैया दूज पर बहनों ने तिलक लगाकर की भाइयों की लंबी आयु की कामना

भाइयों ने भी अपनी बहनों को प्रेम स्वरूप रुपये, कपड़े, मिठाई व अन्य उपहार दिए

दिन भर जहां मिठाई विक्रेताओं की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही वहीं बस स्टैंड पर भी यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक रही, स्कूलों में भी धूमधाम से मनाया गया त्योहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पिछले पांच दिनों से चला आ रहा दीपोत्सव भैया दूज पर्व के साथ संपन्न हो गया। भैया दूज को भाई दूज भी कहा जाता है। वीरवार को अल सुबह उठकर जहां युवतियों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक उनकी लंबी उम्र की कामना की वहीं वैवाहित बहनों ने भी अपने मायके जाने की तैयारी की। वैवाहित बहनों ने अपने भाइयों के साथ-साथ भाभी और भतीजे को तिलक लगाकर उनके हाथों में गोले व कुंचे देकर सुख समृद्धि की कामना की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को प्रेम स्वरूप रुपये, कपड़े, मिठाई व अन्य उपहार प्रदान किए। इसके अलावा कुछ भाई ऐसे भी रहे जो अपनी वैवाहित बहनों से तिलक लगवाने के लिए उनकी ससुराल पहुंचे तथा वहां जाकर विधि-विधान से पर्व मनाया।

- विवाहित बहनों ने अपने भाइयों के साथ-साथ भाभी और भतीजे को तिलक लगाकर उनके हाथों में गोले व कुंचे देकर सुख समृद्धि की कामना की

झज्जर। भाई दूज पर्व पर अपने भाई को तिलक लगाते हुए बहन भारती।

बहनों ने तिलक लगाकर मांगी भाइयों की दीर्घायु

बहादुरगढ़। भाई दूज के पर्व पर वीरवार को बहनों ने भाइयों की दीर्घायु होने की कामना की। बहनों के पास भाई उपहार लेकर पहुंचे। बहनों ने भाइयों को तिलक कर व्रत पूरा किया। दिनभर बहन-भाइयों का मिलन होता रहा। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को भैया दूज का त्योहार शहर के साथ ही ग्रामीण इलाके में श्रद्धा के साथ मनाया गया। वीरवार को बहादुरगढ़ में भैया दूज का पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया। बहनों ने उपवास रखकर भाइयों की दीर्घायु, सुख शांति, समृद्धि की कामना को लेकर रोली और अक्षत से तिलक किया। इस मौके पर भाइयों की ओर से बहनों को उपहार भेंट किए गए। पंडित महेंद्र शर्मा के अनुसार कार्तिक शुक्ल द्वितीया के दिन यमुना ने अपने भाई यमराज का मांगलिक द्रव्यों से तिलक किया था और उन्हें भोजन भी कराया था। यमराज ने प्रसन्न होकर यमुना से वरदान मांगने को कहा था। इस पर यमुना ने कहा कि आज के दिन जो भी उसके जल से स्नान करेगा, बहन भाई को तिलक करेगी, उसे जीवन में सभी प्रकार के सुख और समृद्धि प्राप्त होगी और उसे यम यातना नहीं भोगनी पड़ेगी। पूरे इलाके में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने वाला त्योहार भाई दूज हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

बहादुरगढ़। वीरवार को भैया दूज पर भाइयों को तिलक लगाती बहनें।

यमुना अपने भाई यमराज से बड़ा स्नेह करती थी

बहन के घर आते समय यमराज ने नरक निवास करने वाले जीवों को मुक्त कर दिया

दिन भर जहां मिठाई विक्रेताओं की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही वहीं बस स्टैंड पर भी यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक रही। शहर के मिष्ठान भंडारों पर देर शाम तक मिठाइयों की बिक्री का दौर चला। पौराणिक कथा के अनुसार यूं शुरू हुआ भैया दूज पर्व : धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भाई दूज की व्रत कथा का पाठ भी लोगों को अवश्य करना चाहिए। जो लोग पाठ नहीं कर सकते हैं उन्हें इस कथा को सुन लेना चाहिए। पौराणिक कथा के अनुसार भगवान सूर्य नारायण की पत्नी का नाम छाया था। उनकी कोख से यमराज तथा यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बड़ा स्नेह करती थी। वह उससे बराबर निवेदन करती कि इष्ट मित्रों सहित उसके घर आकर भोजन करो। अपने कार्य में व्यस्त यमराज उसकी बात टालता रहा। कार्तिक शुक्ला का दिन आया तो यमुना ने फिर से यमराज को भोजन के लिए निमंत्रण दिया तथा उसे अपने घर आने के लिए वचनबद्ध कर लिया। यमराज ने सोचा कि मैं तो प्राणों को हरने वाला हूं। मुझे कोई भी अपने घर नहीं बुलाना चाहता। बहन जिस सदभावना से मुझे बुला रही है, उसका पालन करना मेरा धर्म है। बहन के घर आते समय यमराज ने नरक निवास करने वाले जीवों को मुक्त कर दिया। यमराज को अपने घर आया देखकर यमुना भी खुशी से झूम उठी। उसने स्नान कर पूजन करके अपने भाई को भोजन कराया। आतिथ्य से प्रसन्न यमराज ने अपनी बहन को वर मांगने की बात कही। उस पर यमुना ने अपने भाई से प्रति वर्ष इसी दिन आने की बात करते हुए वचन लिया कि जो बहन इस दिन अपने भाई का आदर सत्कार करके तिलक लगाए उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने तथास्तु कहकर यमुना को अमूल्य वस्त्र आभूषण देकर यमलोक की राह की। कहते हैं उसी दिन से यह पर्व मनाने की परंपरा शुरू हुई। ऐसी भी मान्यता है कि जो भाई अपनी बहन का आतिथ्य स्वीकार करते हैं, उन्हें यम का भय नहीं रहता। इसीलिए भैयादूज को यमराज तथा यमुना का भी पूजन किया जाता है।

भारतीय संस्कृति की सुंदर धरोहर है भैया दूज

झज्जर। प्राध्यापक मुकेश शर्मा को तिलक लगाते हुए प्राचार्या निधि कादियान।

झज्जर। एलए स्कूल में भाई-दूज का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्राओं ने अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया और उनकी सलामती के लिए मन्नत मांगी। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया व नीलम दहिया ने विद्यार्थियों को भैया दूज पर्व का महत्व बताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाई-दूज का पावन पर्व भारतीय संस्कृति की सुंदर धरोहर है। हमें अपनी परंपराओं को नहीं भूलना चाहिए। इस मौके पर प्राचार्या निधि कादियान ने भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा को तिलक लगाकर एक सुंदर पहल की।

साइबर ठगी कर खाते से 49 हजार 900 रुपये निकाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

साइबर ठगी के मामलों में लगातार इजाफा होता जा रहा है। ताजा मामले में शिकार बने हैं शहर के निजामपुर रोड पर स्थित शास्त्री नगर निवासी उपेंद्र प्रसाद गुप्ता। उनके बैंक खाते से बिना ओटीपी के 49 हजार 900 रुपये की ऑनलाइन ठगी की गई। पीड़ित ने इस संबंध में बहादुरगढ़ सिटी थाना में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, उपेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने बताया कि 28 सितंबर की शाम उनके बैंक खाते से बिना ओटीपी के ही 49,900 रुपये की राशि निकाल ली गई।

पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करवाई

उपेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने जब उन्होंने अपने मोबाइल पर मैसेज देखा तो उन्हें ठगी का पता चला। उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने संबंधित व्यक्ति की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शहर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर बीएनएस की धारा 416 व 318(4) बीएनएस के तहत अभियोग अंकित किया है।

गुरुकुल में कन्याओं को वितरित किए ट्रैक सूट और जूते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के मौजिज लोगों ने वीरवार को गांव लोवा कलां में स्थित कन्या गुरुकुल की ब्रह्मचारिणियों के बीच भैया दूज का पर्व मनाया। इस दौरान समाजसेवियों द्वारा छात्राओं को ट्रैक सूट व जूते भेंट किए गए। आर्य समाज द्वारा एकत्र किए गए अढाई लाख रुपए की राशि भी सौंपी गई।

बता दें कि समाजसेवी रणबीर जून ठेकेदार ने गुरुकुल की छात्राओं को 150 ट्रैक सूट भेंट किए। इंद्रवेश सहरावत व आशीश दलाल की तरफ से 150 जोड़ी जूते भेंट किए गए। आर्य प्रतिनिधि सभा जिला झज्जर के प्रधान आर्य हरिओउम दलाल ने बताया कि आर्य समाजियों व क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों द्वारा 2 लाख 50 हजार रुपए की नकद राशि कन्या गुरुकुल के संचालन के लिए भेंट की गई।

इस अवसर पर ब्रह्मजीत आर्य, राजेश राठी, संजय मलिक आदि उपस्थित रहे। गुरुकुल की तरफ से वरिष्ठ आचार्या बहन कृष्णा, प्राचार्या डॉ राजन मान, आचार्या विद्यावती, आचार्या मूर्ति, आचार्या प्रीति आर्या व अनु आर्या आदि ने इन सभी का आभार व्यक्त किया।

बहादुरगढ़। कन्या गुरुकुल में छात्राओं को जूते व ट्रैक सूट देते समाजसेवी।

अपहरण व मारपीट करने के मामले में दो और आरोपी किए गिरफ्तार

झज्जर। सीआईए की एक टीम द्वारा अपहरण व मारपीट करने मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर ने बताया कि संदीप निवासी जाटौली की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान आकाश निवासी खेड़ा खुर्मपुर फरुखनगर और बॉबी निवासी खेटावास फरुखनगर के तौर पर की गई है। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपियों को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

आर्य समाज का 22वां वार्षिक सम्मेलन 26 को

बहादुरगढ़। आर्य समाज सेक्टर-6 का वार्षिक सम्मेलन रविवार 26 अक्टूबर को डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में मनाया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता आत्म शुद्धि आश्रम के मुख्य अधिष्ठाता आचार्य विक्रम देव करेंगे। वहीं नप चेयरपर्सन सरोज राठी मुख्य अतिथि होंगी। आर्य प्रतिनिधि सभा के जिला प्रधान आर्य हरिओउम दलाल ने बताया कि अंतराष्ट्रीय विद्वान स्वामी सच्चिदानंद समारोह में मुख्य वक्ता होंगे। कन्या गुरुकुल लोवा कलां की प्राचार्या डॉ राजन मान विशिष्ट वक्ता होंगी। प्रातः 9 बजे हवन के बाद 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक अन्य गतिविधियां होंगी। आचार्य भगवान दास, राधेश्याम आर्य, आशा आर्या व कन्या गुरुकुल लोवा कलां की ब्रह्मचारिणियां भजनोपदेश करेंगी।

बैठक में फसल अवशेष प्रबंधन पर की चर्चा

- प्रत्येक गांव में ग्राम सचिव के साथ कृषि विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वीरवार को एसडीएम नसीब कुमार की अध्यक्षता में उपमंडल स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर बैठक हुई। कृषि विभाग के एसडीओ सुनील कौशिक ने बहादुरगढ़ से बादली तक पराली व फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर किए गए प्रयासों की जानकारी दी।

बैठक में एसडीओ सुनील कौशिक ने बताया कि पराली जलाने की रोकथाम के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए प्रत्येक गांव में ग्राम सचिव के साथ कृषि विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की डयूटी लगाई गई है। स्कूलों में भी जागरूकता कैंप लगाए जा रहे हैं। सुनील कौशिक ने बताया कि हरियाणा सरकार की स्कीम के तहत किसानों को 1200 रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। एसडीएम नसीब कुमार ने बैठक में उपस्थित पंचायत विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव स्तर पर पराली व फसल अवशेषों को नहीं जलाने बारे मुनादी करवाकर किसानों व आमजन को जागरूक किया जाए। सभी अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र में पूरी तरह से निगरानी रखें।

बहादुरगढ़। बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते एसडीएम नसीब कुमार।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में नरेश कुमार, एईई सोनू, विषय विशेषज्ञ डॉ महावीर मलिक, डॉ. कविता, राजीव पाल चावला, सुनील कुमार, राकेश राणा, कार्तिक कौशिक, व नरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

योजना की पात्र महिलाएं 25 तक कराएं ऑनलाइन पंजीकरण

झज्जर। एडीसी जगनिवास ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से प्रदेशभर में दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरुआत की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए पात्र महिलाएं 25 अक्टूबर तक ऑनलाइन पंजीकरण कराएं। पहली नंवबर से योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक पात्र महिला को प्रतिमाह 21सौ रुपए की वित्तीय सहायता मिलेगी, ताकि वे वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

आज के दौर में भौतिकता, उपयोगिता और उपभोक्तावाद समाज पर हावी

युवाओं में साहित्य के प्रति कम होता रुझान चिंतनीय: जाखड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वर्तमान में व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बनते जा रहे युवाओं की साहित्य में रुचि घट रही है। न तो स्कूली स्तर पर इसका संवर्धन हो रहा है और न ही विद्यार्थियों को इसकी आवश्यकता महसूस होती है। प्रोफेशनल कोर्सों ने साहित्य को हाशिए पर लाकर रख दिया है। इससे साहित्यकार भी आहत और खफा हैं। अध्यापन के साथ साहित्य से जुड़ी मंजू जाखड़ के अनुसार न तो सरकार और न ही स्कूल, शिक्षक एवं अभावक ही कोशिश करते हैं कि बच्चों में शुरू से ही साहित्य में रुचि पैदा की जाए। बता दें कि युवाओं में साहित्य के प्रति रुझान बहुत कम हो रहा है। इसकी कई वजह हैं, पहला तो स्कूल कॉलेजों के स्तर पर साहित्य को बढ़ावा देने व विद्यार्थियों में रुचि पैदा करने के लिए कोई कदम नहीं उठाए जाते।

दूसरी वजह यह है कि टीवी, इंटरनेट व सोशल नेटवर्किंग साइटों के जाल में युवा उलझकर रह गया है। सबसे बड़ी बात की आज का युवा केवल पैसा कमाने की होड़ में उन्हीं विषयों को पढ़ता है, जिससे उसे अच्छी नौकरी मिल जाए। हालांकि एक वर्ग अभी भी है जो कि साहित्य लिखना व पढ़ना चाहता है, लेकिन उसमें लोगों की संख्या बहुत कम हो गई है। साहित्य पढ़ने से विचारों में गहराई आती है और साहित्य से बेहतर व्यक्तित्व का निर्माण भी होता है। लेकिन आज के दौर में इन बातों को युवा दरकिनार कर देता है।

- टीवी, इंटरनेट व सोशल नेटवर्किंग साइटों के जाल में युवा उलझकर रह गया

मंजू जाखड़ बोलीं, युवा पीढ़ी से दूर होता नजर आ रहा साहित्य

काव्य जगत में अपनी पहचान बना रही मंजू जाखड़ मानती हैं कि साहित्य का युवाओं में आकर्षण खोने के कई कारण हैं। पहले तो साहित्यकार मेहनती व आदर्श स्थापित करने वाले नहीं रह गए हैं। साहित्यकार को सर्वशास्त्र समालोकी व समाजोमुखी होना चाहिए। दूसरी बात युवाओं के सामने आकर्षण के अनेक बिंदु टीवी, सोशल साइट व मोबाइल के रूप में आ गए हैं। पहले लोगों के पास आध्यात्म, साहित्य व आजीविका ही होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं रहा है। साहित्य संवेदनशीलता का विषय है और संवेदनशीलता समाज व परिवार से गायब होती जा रही है और इंसान यांत्रिक हो गया है। लोगों की सोच में लघुता व संकीर्णता आ गई है और साहित्य इन चीजों से कोसों दूर होता है। आज के दौर में भौतिकता, उपयोगिता व उपभोक्तावाद समाज पर हावी हो गया है। ऐसे में साहित्य पठन पाठन की परंपरा विलुप्त होती जा रही है। साहित्य जगत के अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजी जा चुकी मंजू जाखड़ के अनुसार आज के यांत्रिक दौर में लिखित नहीं मुखर शब्द मायने रखते हैं, लिखित साहित्य की जगह दृष्य साहित्य ने ले ली है। आज का युवा पूरी तरह से साहित्य से विमुख हो चुका है। उसे केवल रोजगारपरक कोर्स करने होते हैं और उसी में उसकी रुचि होती है। स्कूल कालेजों में भी साहित्य के प्रति उदासीनता इसे युवाओं से दूर कर रही है युवाओं के पास पढ़ने लिखने का समय नहीं है। वर्तमान समय में साहित्य को जिंदा रखने के लिए कलमवीरों को जबरदस्त संघर्ष करना पड़ रहा है। इसके बावजूद वे अपने दायित्व का निर्वहन बहुत ही जिम्मेदारी और गंभीरता से कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि युवा साहित्य की कीमत समझेंगे।